रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355 / 79
डाक पंजीकरण संख्या :– के पी सिटी– 67 / 2021–23
चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में
सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र
पाक्षिक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127 / 204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष –44 ● अंक –16 ● कानपुर 16 से 31 अगस्त 2022 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य –₹100

विकास की गति तेज़ होनी चाहिये

इलेक्ट्रो होम्योपैथी – इलेक्ट्रो होम्योपैथी ही बनी रहे इसलिए आवश्यक है कि इस स्थापित चिकित्सा पद्धति का वास्तविक विकास किया जाये और विकास का स्वरूप कुछ इस प्रकार हो जिसका लाभ आमजन भी उठा सकें तभी इलेक्ट्रो होम्योपैथी को विकसित किया जा सकता है।

वर्तमान समय में इलेक्ट्रो होम्योपैथी में जो कुछ भी चल रहा है वह कुछ सामान्य सा नहीं है विकास के नाम पर बड़ी बड़ी बातें की जा रही हैं बड़े बड़े दावे किये जा रहे हैं परन्तु जब यर्थाथ के धरातल पर जो परीक्षण हो रहा है और जो परिणाम प्रकट हो रहे हैं वह हमें चकित कर रहे हैं, केवल उत्तर प्रदेश छोड़ दिया जाये और सम्पूर्ण भारत पर एक दृष्टि डालें तो एक बात एकदम स्पष्ट रूप से नज़र आती है कि विकास का जो बहाव वास्तविक होना चाहिये वह नहीं हो रहा है यह हम सब के लिये सोचने का विषय है इन्हीं सब बिन्दुओं पर चिन्तन करने के बाद बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 की प्रबन्ध कमेटी ने यह निणर्य लिया कि शीर्ष ही ऐसा कोई नीतिगत निर्णय लिया जाये जिसपर कार्य करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथी का वास्तविक विकास परिलक्षित हो सके।

यदि आप चाहते है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को समाज में प्रभावी ढंग से स्थापित किया जाये तो यह आवश्यक है कि इस चिकित्सा पद्धति का लाभ कुछ व्यक्तियों तक न रहकर सर्वसमाज को मिले, कहने को तो यह भी कहा जाता है कि जितने भी आसाध्य रोग हैं उनपर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति का ज़बरदस्त प्रभाव है, जैसा कि आज कल कैन्सर रोग को ठीक करने के लिये पूरे देश में बड़े ज़ोरों पर दर्द निवारक केन्द्रों की संचालन किया जा रहा है, वास्तव में यह चिकित्सा पद्धति सामान्य से लेकर असाध्य एवं गम्भीर रोगों पर अधिक प्रभावी है परन्तु जिन लोगों द्वारा इस चिकित्सा पद्धति को व्यवहार में लाया जाता है उनकी संख्या बहुत सीमित है किसी भी चिकित्सा पद्धति के विकास के लिए यह अति आवश्यक होता है कि उस चिकित्सा पद्धति को व्यवहार में लाने वाले लोगों की संख्या अधिकाधिक हो, हमें याद करना चाहिये कि आज से 40–45 साल पहले जब होम्योपैथी का इतना प्रसार नहीं हुआ था तब जगह जगह पर इस चिकित्सा पद्धति के चिकित्सक रोगियों को स्वतः औषधियों को सेवन करने के लिए प्रेरित करते थे चूंकि मामला शरीर से जुड़ा होता है इसलिए कोई भी व्यक्ति आसानी से किसी भी औषधि को स्वीकार नहीं करता है तब उसे यह बताया जाता था कि यह औषधियां यदि लाभ नहीं करेंगी तो हानि भी नहीं करेंगी, आज युग बदल चुका है, हर क्षेत्र में ज़बरदस्त परिवर्तन हो चुका है, चिकित्सा के क्षेत्र में बड़े–बड़े क्रान्तिकारी परिवर्तन हुए हैं ऐसे में यदि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को समान रूप से स्थापित करना है तो चिकित्सा के क्षेत्र में बहुत कार्य करना चाहिये, कहने को तो हमारे पास जो लाखों की संख्या है उन्हें अपने दायित्वों को पहचनना /समझना होगा एवं दायित्वों का पालन करते हुये एक नई कार्य संस्कृति को जन्म देना होगा, यदि हम इलेक्ट्रो होम्योपैथी में विकास की बात करें तो इससे हम इन्कार नहीं कर सकते हैं कि चिकित्सा पद्धति का विकास नहीं हुआ है, परन्तु जो संतुलित और समन्वित विकास होना चाहिये वह नहीं हो पा रहा है, यदि हम इसके कारणों पर जायें तो कारण अनेक दृष्टिगोचर होंगे परन्तु यदि हम पूर्ववर्त्ती कारणों को लेकर ही बातें करते रहे तो विकास दूर–दूर तक नहीं हो सकता है।

यह कटु सत्य है कि 2004 से 2013 तक का काल खण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये बहुत कठिन रहा है लेकिन जिस सूझ–बूझ से इलेक्ट्रो होम्योपैथी के नायकों नें इस चिकित्सा पद्धति को कार्य करने का एक अवसर दिलाया, उससे तो हम सभी का यह कर्तव्य बनता है कि हम इस प्राप्त अवसर का भरपूर लाभ उठायें जो बीत गया उस पर ही चर्चा करने से अच्छा है कि आगे की सोचें, वर्तमान युग प्रतिस्पर्धा का युग है, प्रतिस्पर्धा में वही टिकता है जिसके पास बौद्धिक सम्पदा का भण्डारण हो, इलेक्ट्रो होम्योपैथी में बौद्धिक सम्पदा की कोई कमी नहीं है, खेद है कि इस सम्पदा का अभी भी पूर्ण रुप से प्रयोग नहीं हो पा रहा है। हमारे चिकित्सकों के मन में पता नहीं कौन सी भावना पैठ कर गयी है जिसके कारण वे अपनी पूरी क्षमता के साथ अपना कौशल प्रदर्शित नहीं कर पा रहे हैं, जो चिकित्सक अपने चिकित्सा व्यवसाय में विशुद्ध इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति व्यवहार में ला रहे हैं उन्हें आशातीत सफ़लता प्राप्त हो रही है एवं परिणाम भी अच्छे मिल रहे हैं, इन प्राप्त परिणामों से चिकित्सकों में उत्साह का भाव भी झलकता है, बस एक बड़ी कमी हमारे चिकित्सकों में यह है कि वे जो जटिल रोगों का उपचार करते हैं और उसपर अपना कमान्ड भी रखते हैं वे रोगियों की केस हिस्ट्री अपने पास सुरक्षित नहीं रखतें हैंया उसे एक दूसरे से साझा करना उचित नहीं समझते हैं, एक ओर जब आप असाध्य व जटिल रोगों पर उपचार कर सफ़लता प्राप्त कर लेते हैं तो आपका दायित्व बनता है कि उस रोगी पूरी कुण्डली अपने पास सुरक्षित रखें, इस प्रकार के दावों पर कोई विश्वास सहज नहीं कर सकता है कि आपने अमुक व्यक्ति या व्यक्तियों का उपचार कर उसे चंगा कर दिया है, विज्ञान का युग है, कोई भी बात हवा में नहीं मानी जाती है साक्ष्य की आवश्यकता पड़ती है, अतः साक्ष्य का होना अति अवश्यक है तभी आपके दावे को स्वीकारा जा सकता है।

पहले की तुलना में अब औषधियों की कमी नहीं है लगभग हर शहर में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक की औषधियां उपलब्ध हैं, मॉडर्न ज़माना है अतः औषधि के बाज़ार में हमारे कुछ औषधि निर्माताओं ने टैब्लेट और स्ट्रिप्स के स्वरुप में अपने उत्पादन प्रस्तुत कर चिकित्सकों को और भी अधिक प्रतिस्पर्धी बना दिया है, मूल औषधियों के साथ–साथ इस स्वरुप की औषधियों का प्रयोग चिकित्सक रोगी पर करता है और परिणाम भी अच्छे प्राप्त कर रहा है, मगर इस प्रकार के कार्य करने वाले चिकित्सकों को ज्ञात होना आवश्यक है कि इस प्रकार के उत्पादनों की प्रमाणिकता किसी स्तर पर नहीं है, जब चिकित्सा पद्धति का प्रभाव सामान्य जन स्वंय अनुभव करेगा तो इस चिकित्सा पद्धति के विकास में ज़्यादा समय नहीं लगेगा।

विकास को वास्तविक रुप से परिभाषित करना होगा
अपरिवर्तनीय रहनी चाहिये कार्य करने की पद्धति
मान्यता तक नहीं रुकेगा विकास का पहिया
बौद्धिक सम्पदा का परिवर्धन किया जाये
कार्य संस्कृति का होना चाहिये सम्मान
बातों से नहीं आवश्यकता है काम की

एक क्षेत्र ऐसा है जिसपर सुव्यवस्थित कार्य होना है और वह क्षेत्र है हमारी शिक्षण व्यवस्था का समय के परिवर्तन को देखते हुये बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 ने कड़े कदम उठाते हुये अपने हर इन्सटीट्यूट को निर्देश दिया है कि अध्यापन पर अधिकाधिक ध्यान दिया जाये एवं छात्र की उपस्थिति भी अधिकतम हो दूसरे वर्ष से छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान भी उपलब्ध कराया जाये इसी के साथ–साथ बोर्ड ने यह भी योजना बनाई है कि विद्यालयों में जो अध्यापक अध्यापन का कार्य कर रहे हैं उन्हें रिफ्रेशर कोर्स कराया जायेगा जिससे कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी में हो रही नवीन जानकारियों से वे अपडेट रहें ताकि छात्रों को बिलकुल नवीन शोधों एवं जानकारियों से अवगत करा सकें क्योंकि मान्यता का प्रकरण अब अन्तिम चरण में है भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा गठित अन्तर विभागीय समिति का प्राथमिक लक्ष्य इलेक्ट्रो होम्यापैथी की शिक्षा के परीक्षण का है जिसके द्वारा वह समझना चाहती है कि इलेक्ट्रो होम्यापैथी के विद्यालयों में कौन–कौन से विषय पढ़ाये जाते हैं तथा उन्हें पढ़ाने वाले शिक्षकों की अर्हता क्या है ? हमें इस विषय को गम्भीरता से लेते हुये प्रथम प्राथमिकता देते हुये विद्यालयों में फैकलटी को चुस्त–दुरुस्त एवं अपडेट कर लेना चाहिये,

यह बात निश्चित है कि केन्द्र सरकार मान्यता अवश्य देगी परन्तु मान्यता हेतु जो मापदण्ड सरकार द्वारा निर्धारित हैं उन्हें हमें ही पूर्ण करने होंगे आवश्यकता है कि अपनी–अपनी क्लीनिकों में बैठकर कार्य संस्कृति पनपाने का आन्दोलन किया जाये तो विकास की गति ज़्यादा तेज़ी से बढ़ेगी, कार्यसंस्कृति बड़ी तेजी के साथ बदल रही है गत वर्षों में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति से चिकित्सा व्यवसाय करने वाले चिकित्सकों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि भी हुयी है यह किसी भी चिकित्सा पद्धति के विकास के शुभ संकेत हैं, जो चिकित्सक अभी भी अन्य विधा प्रयोग में लाते हैं उनके अन्दर भी एक नई ऊर्जा का संचार हो रहा है और यह चिकित्सक भी अब इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा विधा से चिकित्सा करने का मन बना रहे हैं, हम आश्वस्त हैं कि धीरे–धीरे हमारी यह श्रंखला बहुत बड़ी और मज़बूत होगी, तब इलेक्ट्रो होम्योपैथी किसी भी चुनौती को आसानी से स्वीकार कर लेगी, जब–जब नये शोधों की बात होगी तब हम गर्व से कह सकते हैं कि हमारी विधा में भी पूरा दम–खम है।

हमारे पास किसी भी प्रकार का कोई सरकारी अनुदान नहीं आता है इसके उपरान्त भी हमारे इलेक्ट्रो होम्योपैथ निजी संसाधनों के बल पर शोध कार्य में लगे हुये हैं, शोधार्थियों को परिणाम भी अच्छे मिल रहे हैं यदि सरकार का थोड़ा सहयोग और समर्थन मिल जाये तो हमारे शोधार्थी किसी से कम उपयोगी नहीं रहेंगे।

शेष पेज 2 पर

आज़ादी का अमृत महोत्सव

देश की आज़ादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर इस वर्ष पारम्परिक स्वतंत्रता दिवस मनाने के स्थान पर भारत सरकार, ने अमृत महोत्सव मनाने का निश्चय किया तथा इस कार्यक्रम में देश के सभी नागरिकों से सहभागिता भी सुनिश्चित करने का अवाहन किया है जिससे कि देश की एक्ता व अखण्डता का प्रदर्शन विश्व पटल पर किया जा सके भारत के लोकप्रिय प्रधानमंत्री ने देश के नागरिकों से यह भी अपेक्षा की है कि हर घर तिरंगा लगाया व फहराया जाये और यह हो भी क्यों न, क्योंकि देश में गत 75 वर्षों में जो प्रगति की है उसका समुचित ढंग से प्रदर्शन तो होना ही चाहिये, देश का हर नागरिक प्रधानमंत्री एवं देश के साथ है।

देश के इस अमृत महोत्सव में इलेक्ट्रो होम्योपैथी भी अपनी सहभागिता का प्रदर्शन करना चाहती है देश की आज़ादी के साथ ही इलेक्ट्रो होम्योपैथी ने भी देश के विकास में अपनी महती भूमिका निभायी है, यह क्रम वर्ष 1948 से आरम्भ होकर निरन्तर जारी है, देश के प्रथम प्रधानमंत्री के आवाहन पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी के परीक्षण से आरम्भ होकर देश से चलकर प्रदेश में आकर ठहर गया और लगभग 5 वर्ष के ही प्रयास के पश्चात इलेक्ट्रो होम्योपैथी को आंशिक स्वतंत्रता प्राप्त हुयी, यह क्रम चरणबद्ध ढंग से निरन्तर जारी रहा और आज भी जारी है प्रत्येक चरण में कुछ न कुछ सफ़लता अवश्य मिलती रही है, एक समय तो ऐसा आया जब आन्दोलन का रास्ता अपनाना पड़ा और आन्दोलन को सकारात्मक दिशा में ले जाते हुये सरकार के समक्ष वार्ताओं की एक श्रंखला सी चल पड़ी परिणाम इतने अच्छे तो नहीं मिले परन्तु इसे खराब भी नहीं कहा जा सकता है, बस यहीं से प्रकरण दिल्ली की ओर मुड़कर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय पहुँच गया केन्द्र सरकार ने जाँच समिति का गठन कर दिया जिसकी रिपोर्ट आज भी अपनी स्थिति में है, जिन बिन्दुओं पर जाँच समिति ने रिपोर्ट दी लगभग उन्हीं बिन्दुओं पर भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा लगातार सफ़लता प्राप्त हो रही है, जिसका प्रारम्भ 25 नवम्बर, 2003 को हुआ अभी इससे तृप्ति नहीं हुई, पुनः प्रयास किये गये प्रयासों के परिणाम स्वरूप 5 मई, 2010 को एक सफ़लता और प्राप्त हुई यह भी अभी अधूरी ही लग रही थी, चूंकि सफलतायें इतनी अधिक मिल गयीं कि उत्साह बराबर बढ़ता ही गया और इसके पश्चात एक अच्छा और सकारात्मक प्रयास किया गया जो इन दोनों सफ़लताओं को समाहित करते हुए 21 जून, 2011 को ऐसी सफलता प्राप्त हुई यदि इससे अन्तिम सफ़लता कहा जाये तो अतिश्योक्ति न होगी, इस सफ़लता के माध्यम से भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग ने देश की सभी राज्य सरकारों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों को अति स्पष्ट शब्दों में लिखा कि इस कथन को भारत सरकार का इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा, शिक्षा एवं अनुसंधान के विषय में वचन माना जाये।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के सम्बन्ध में 1993 में जो भारत सरकार का विचार था भारत सरकार उसी को आगे बढ़ाते हुए अधिशासी आदेश जारी करना चाहती है, किन्तु 1993 में वांछित की पूर्ति आवश्यक है, इसके लिए भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग ने एक अन्तरविभागीय समिति का गठन किया है जो प्रकरण का परीक्षण कर रही है आशा है कि निकट भविष्य में वह इसे अन्तिम रूप देगी।

विकास की गति.....प्रथम पेज से आगे

सरकार के सहयोग और समर्थन के लिये इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया निरन्तर प्रयासशील है, भारत सरकार एवं राज्य सरकारों से इस विषय पर पत्र व्यवहार हो रहा है जहाँ कहीं भी भौतिक सम्पर्क की आवश्यकता होती है वह भी किया जा रहा है,प्रदेश में अधिकार पूवर्क कार्य करना है तो राज्य में प्रचलित कानूनों का पालन करना हमारा कर्तव्य है।

हमें अपने कर्तव्यों का बोध है लेकिन कभी–कभी कष्ट होता है जब हमारे चिकित्सक अधिकारों के प्रति ज़्यादा जागरुकता दिखाते हैं लेकिन जब इन्हीं प्राप्त अधिकारों को उपभोग करने के लिये जिन कर्तव्यों की आवश्यकता होती है तब वह विमुख हो जाते हैं इस तरह के दोहरे व्यवहार से सफ़लता संदिग्ध रहती है।

प्रदेश में बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 और राष्ट्रीय स्तर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया इलेक्ट्रो होम्योपैथिक को तीव्रता से विकसित करने के लिये प्रतिबद्ध है।

स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर समस्त देशवासियों को बधाई

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0

8–लालबाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ–226001
प्रश0 कार्या0 : 127/204 ''एस'' जूही,कानपुर–208014
Email: registrarbehmup@gmail.com

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 लखनऊ

इलेक्ट्रो होम्योपैथी पद्धति की शिक्षा, चिकित्सा, रजिस्ट्रेशन, अनुसंधान एवं विकास हेतु कार्य करता है तथा प्रदेश के समस्त अधिकृत इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों का जनपदीय पंजीयन करता है विस्तृत जानकारी हेतु जनपदीय प्रभारी/क्षेत्रीय अधिकारी से सम्पर्क कर सकते हैं

क्षेत्रीय कार्यालय

कानपुर
बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0
127/204 ''एस'' जूही, कानपुर–208014

सम्बद्ध मण्डल

कानपुर, चित्रकूटधाम, झाँसी, आगरा, अलीगढ़, मेरठ, प्रयागराज, विन्ध्यांचल एवं वाराणासी

लखनऊ
बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0
8– लाल बाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ–226001

सम्बद्ध मण्डल

लखनऊ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, अयोध्या, देवीपाटन, बस्ती, गोरखपुर एवं आज़मगड़

उत्तर प्रदेश शासन कार्यालय ज्ञाप

आज़ादी का महोत्सव

संख्या – 2914 / पाँच–6–10–23 रिट / 11 लखनऊ दिनांक 04 जनवरी, 2012 के प्राधिकार से संचालित पाठ्यक्रम

F.M.E.H. दो वर्ष (चार सेमेस्टर) – इण्टरमीडियेट अथवा समकक्ष

G.E.H.S. चार वर्ष+(1 वर्ष इन्टर्नशिप) – 10+2 जीव विज्ञान अथवा समकक्ष

P.G.E.H. दो वर्ष – G.E.H.S अथवा चिकित्सा स्नातक

C.E.H. एक वर्ष – हाई स्कूल अथवा समकक्ष

A.C.E.H. एक सेमेस्टर – किसी भी चिकित्सा पद्धति में न्यूनतम दो वर्ष का पाठ्क्रम उत्तीर्ण (इलेक्ट्रो होम्योपैथी 30 अप्रैल, 2004 से पूर्व / पैरा मेडिकल / किसी राजकीय चिकित्सा परिषद द्वारा पंजीकृत / सूचीकृत चिकित्सक)

विस्तृत जानकारी हेतु बोर्ड की अधिकृत संस्थाओं से सम्पर्क करें–

LIST OF AUTHORISED INSTITUTIONS

Code	Name of InstituteAddress & District	Name of Principal	Name of Manager & Mobile No.
1	Ashish Electro Homoeopathic Medical Insitute, Chajlapur, Po: I.T.I.,Door Bhash Nagar, Raibareli	Dr. P. N. Kushwah	Dr. P.N. Kushwaha , 9415177119
3	Awadh Electro Homoeopathic Medical Insitute, Shri Om Sai Dham,Indrpuri Colony,Sitapur Road, Lucknow	Dr. R. K. Kapoor	Smt. Sunita Kapoor , 9335916076
4	Indira Gandhi Electro Homoeopathic Medical Insitute, Near Bhagva Chungi, Naya Mal Godam Road, Pratapgarh	VACANT	VACANT
5	Bhagwan MahaveerElectro Homoeopathic Medical Insitute, Pan Dareeba, Jaunpur	Dr. Pramod Kumar Maurya	Smt. Sushila Maurya , 9451162709
6	Maa sarju Devi Electro Homoeopathic Medical Insitute, 2537 - Mishrana, Lakhimpur	Dr. R. K. Sharma	R.K. Sharma , 8115545675
7	Mahoba Electro Homoeopathic Institute, Behind Block Office Subhash Nagar, MAHOBA-210427	Dr. Ajai Barsaiya	Smt. Rajni Awasthi , 8423596191
11	Chandpar Electro Homoeopathic Medical Insitute, Anjan Shaheed, Azamgarh	Dr. Mushtaq Ahmad	Dr. Iftekhar Ahmad,9415358163
13	Azad Electro Homoeopathic Medical Insitute, Kintoor, Barabanki	Dr. Habib-ur- Rahman	Dr. Habib-ur-Rehman, 8052791197
14	Fatehpur Electro Homoeopathic Medical Insitute, Deviganj, Fatehpur	VACANT	Dr. Afzal Ahmad Kazmi, 9450332981
15	Electro Homoeopathic Medical Insitute , Mahmanshah, Near Charkhamba,Shahjahan pur	Dr. Ammar-Bin-Sabir	Dr.S.A. Siddique, 9336034277
16	Shahganj Electro Homoeopathic Medical Insitute , Behind Mahila Hospiital, Dihawa Bhadi,Shahganj, Jaunpur	Dr. S. N. Rai	Dr. Rajendra Prasad, 9450088327
17	Prema Devi Electro Homoeopathic Medical Institute, Siddhatth Children Campus, Arya Nagar, Siddharth Nagar	Dr. Ved Prakash Srivastav	Dr. V.P. Srivastav 9415669294

LIST OF AUTHORISED STUDY CENTRES

Code	Head of Centre	Address	District	Mobile No	E-mail
51	Dr. Adil M. Khan	Parsauni Kala,Padrauna	KUSHI NAGAR	9836131988	WhatsApp No: 7985063850
52	Dr. Pradeep Kumar Srivastava	8/366 Tube Well Colony	DEORIA	9415826491	
53	Dr. Bhoop Raj Shrivastava	120-Basheerganj	BAHRAICH	9451786214	
55	Dr. Ayaz Ahmad	Beneath K.G.S. Gramir Bank, Walidpur	MAU	9305963908	
56	Dr. Gaya Prasad	Aarti Electro Homoeopathic Study Centre, Barkhera, Kalpi	JALAUN	8874429538	
57	Dr. N. Bhushan Nigam	B.K.E.H. Study Centre, Patkana	HAMIRPUR	9889426312	
59	Dr. Mohammad Israr Khan	Araw Road, Sirsaganj	FIROZABAD	9634503421	
60	Dr. Mohd. Akhlak Khan	128- Katra Purdal Khan	ETAWAH	6395361883	
61	Dr. Shiv Kumar Pal	Prem Nagar, Dak Banglow Bye Pass Road	FIROZABAD	9027342885	
62	Dr. Pundreek Tripathi	Hameed Nagar Ward No-3, Nautanwa	MAHARAJGANJ	7398941680	mpsr31@gmail.com
63	Dr. Ram Autar Kushwaha	Kushwaha Electro Homoeopathic Clinic & Study centre	KANPUR	9793264649	

LIST OF AUTHORISED STUDY/GUIDENCE CENTRES OTHER STATE

Code	Head of Centre	Address	District	Mobile No	E-mail
81	Dr. Devendra Singh	374/4 Shahid Bhagat Singh Colony, Karawal Nagar	DELHI-110090	9873609565	
82	Dr. Pankaj Kumar	Kaithi P.S. Chautham	KHAGARIA-851201	7549417934	

LIST OF AUTHORISED EXAMINATION CENTRES

Code	Head of Centre	Address	District	Mobile No	E-mail
91	Dr. P. K. Ragahav	Khurja	BULAND SHAHAR	9837897021	
92	Dr. S.K. Saxena	Parker College Road	MORADABAD	8171869605	
93	Electro Homoeopathic Exam	Registrar B.E.H.M. U.P. Kanpur Campus	KANPUR	0512-2970704	
95	Dr. Vikas	303/6 Gyan Nagar, Purkhas Road	SONIPAT-131001	9639300426	7302653934

Registrar

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

(स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आदेश प्राप्त, इहमाई द्वारा अनुमोदित)

8– लालबाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ–226001

प्रशा0 कार्यालय : 127 / 204 "एस" जूही, कानपुर–208014

website- www.behm.org.in Email: registrarbehmup@gmail.com

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक

मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया

EHMAI

की ओर से

स्वतंत्रता दिवस

की

75वीं वर्षगाँठ

के अवसर पर

हार्दिक शुभकामनायें

बी0ई0एच0एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर–208014 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर–208014 से प्रकाशित किया।